Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 09 जनवरी, 2024

मंगल ग्रह की प्लाज़्मा तरंगें

भारतीय भू-चुंबकत्व संस्थान के वैज्ञानिकों ने नासा के MAVEN अंतरिक्ष यान के डेटा का उपयोग करके मंगल के ऊपरी वायुमंडल में उच्च आवृत्ति प्लाज़्मा तरंगों का अध्ययन किया।

- शोधकर्त्ताओं ने मंगल के चुंबकीय क्षेत्र (वातावरण) में दो प्रकार की तरंगों की खोज की,**एक इलेक्ट्रॉन प्लाज़्मा आवृत्ति के नीचे और एक ऊपर।** ये तरंगें महत्त्वपूर्ण हैं क्योंकि ये हमें यह समझाने में मदद करती हैं कि मंगल के आसपास इलेक्ट्रॉन कैसे व्यवहार करते हैं।
- नासा के मार्स एटमॉस्फियर एंड वोलेटाइल इवोल्यूशन **(Mars Atmosphere and Volatile Evolution- MAVEN)** को ग्रह की वायुमंडलीय स्थितियों की जानकारी हासिल करने के मिशन के साथ नवंबर 2013 में लॉन्च किया गया था।
- प्लाज़्मा तरंगें **विद्युत और चुंबकीय क्षेत्रों में दोलन या विचलन हैं** जो प्लाज़्मा के माध्यम से फैलती हैं, जो पदार्थ की एक अवस्था है जो आयनों तथा इलेक्ट्रॉनों जैसे आवेशित कणों से बनी होती है।
  - ये तरंगें विभिन्न प्लाज़्मा घटनाओं में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं,**जो ऊर्जा हस्तांतरण, कण त्वरण और अंतरिक्ष में पाए जाने वाले प्लाज़्मा के भीतर आवेशित कणों के व्यवहार को प्रभावित करती हैं।**

और पढ़ें: नासा का MAVEN अंतरिक्ष यान

BIS: मानक निर्धारण के 77 वर्ष

हाल ही में **भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय** के अधीन एक निकाय, भारतीय मानक ब्यूरो (Bureau of Indian Standards- BIS) ने **6 जनवरी 2024 को** अपना **77वाँ स्थापना दिवस** मनाया।

- BIS भारत का **राष्ट्रीय मानक निकाय** है जिसे वस्तुओं के मानकीकरण, मुहरांकन तथा गुणवत्ता प्रमाणन की गतिविधियों के सुमेलित विकास के लिये BIS अधिनियम, 2016 के तहत स्थापित किया गया है। BIS का **मुख्यालय नई दिल्ली** में स्थित है।
  - यह उत्पाद प्रमाणन (ISI मार्क), सोने तथा चाँदी के आभूषणों की हॉलमार्किंग, **ECO मार्क योजना** (पर्यावरण अनुकूल उत्पादों की लेबलिंग के लिये) जैसी विभिन्न योजनाएँ संचालित करता है।
- BIS अधिनियम, 2016 अक्तूबर 2017 से क्रियान्वित किया गया। इस अधिनियम की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:
  - सरकार को मानक के अनुरूप **प्रामाणित करने तथा क्रियान्वित करने के लिये** BIS के अतिरिक्त **किसी भी अभिकरण को अधिकृत करने में सक्षम बनाता है।**
  - यह अधिनियम **उपभोक्ता संरक्षण उपाय** प्रदान करता है जिनमें गैर-अनुरूप मानक चिह्नित उत्पादों को वापस लेना, उपभोक्ता को प्रतिपूर्ति देना और अधिक कठोर दंडात्मक प्रावधान शामिल हैं।

और पढ़ें...भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016

राष्ट्रीय पक्षी दिवस

राष्ट्रीय पक्षी दिवस, **जो अमेरिकी मूल का है**, पारिस्थितिकी तंत्र में पक्षियों के मूल्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये प्रतिवर्ष साल **5 जनवरी** को मनाया जाता है।

- इस दिन का उद्देश्य **निवास स्थान के विनाश, भोजन के विकल्पों में कमी** और जलवायु परिवर्तन से प्रभावित **पक्षी प्रजातियों** के संरक्षण के लिये जागरूकता बढ़ाना भी है।
- भारत के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन (Minister for Environment, Forest and Climate Change - MoEFCC) मंत्री ने **देश में पक्षियों की आबादी को संरक्षित करने के लिये** आर्द्रभूमि को बचाने का आह्वान किया।
  - आर्द्रभूमियाँ भारत में पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों का निवास स्थल बन जाती हैं और स्थानीय पक्षी आबादी को पोषण उपलब्ध कराने के लिये महत्त्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखते हैं।
- राष्ट्रीय पक्षी दिवस अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी राष्ट्रीय पक्षी दिवस, विश्व प्रवासी राष्ट्रीय पक्षी दिवस (13 मई) और कई अन्य राष्ट्रीय पक्षी

दिवस जैसे अवसरों से अलग है।

विश्व टाइपिंग दिवस

8 जनवरी को **विश्व टाइपिंग दिवस** के रूप में मनाया जाता है ताकि लोगों को लिखित संचार के माध्यम से **स्वयं को अभिव्यक्त करने के लिये प्रोत्साहित किया जा** सके।

- यह वर्ष **2011 में मलेशिया** में शुरू हुआ। यह वर्ष 2011 **मलेशियाई स्पीड टाइपिंग प्रतियोगिता** की याद दिलाता है, जिसने सबसे तेज़ टाइपिस्ट और सबसे बड़ी भागीदारी के रिकॉर्ड तोड़ दिये।
- **यह दिन महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह टाइप करने और एक-दूसरे के साथ बातचीत करने की क्षमता विकसित करने के लिये आयोजित किया जाता है।**

प्रवासी भारतीय दिवस

प्रवासी भारतीय दिवस (PBD) भारतीय प्रवासियों और देश के विकास में **प्रवासी भारतीय समुदाय के योगदान का सम्मान** करने के लिये **वर्ष 2003 से प्रत्येक वर्ष 9 जनवरी** को मनाया जाता है।

- इस अवसर को मनाने के लिये **9 जनवरी** का दिन इसलिये चुना गया क्योंकि **वर्ष 1915 में इसी दिन** महान प्रवासी भारतीय **महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे** थे और भारत के स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया था।
- वर्ष 2015 से **प्रत्येक दो वर्ष में एक बार PBD मनाने** और **बीच की अवधि के दौरान थीम-आधारित PBD सम्मेलन आयोजित करने** के लिये इसके प्रारूप को संशोधित किया गया था।

और पढ़ें: प्रवासी भारतीय दिवस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-09-january,-2024